



वर्ष- 11 अंक-237
लखनऊ, बुधवार 17 अप्रैल, 2024
पृष्ठ- 12 लूप्ट- 0 3.00
लखनऊ से प्रकाशित

samradhineWSko@gmail.com, www.samriddhisamachar.com, info@samriddhineWS.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

समृद्धि न्यूज़!

समृद्धि समाज का आधार



500 साल बाद जन्मभूमि पर मनेगा श्रीराम जन्मोत्सव : योगी

03

बाजपा को घाटी में कमल खिलाने की जल्दी नहीं : अमित शाह

12

नवं विद्विदारी



गा देवी सर्वतोषु मा सिद्धिदारी
रुणम् सदित्या। नगन्तस्यै
नगन्तस्यै नगन्तस्यै नगो नगः॥
नवरात्रि पूजन के नाम देवी
सिद्धिदारी की उपासना की जाती है।
इस निषा के साथ साधना करने वालों
को सभी सिद्धियों की प्राप्ति हो जाती
है। भगवान शिव ने भी सिद्धिदारी की
कृपा से ये सभी सिद्धियां प्राप्त की थीं।
इन्हीं कृपा से महादेव का आधा
शरीर देवी का हुआ था और वह
अद्विनीतीश्वर नाम से प्रसिद्ध हुए।
इन्हीं साधना से सभी मनोकामनाएं
की पूरी हो जाती हैं।

संक्षिप्त समाचार

पटना में सड़क दुर्घटना में
सात लोगों की मौत

पटना । बिहार में राजधानी पटना के
कंठड़गांव थाना क्षेत्र में मालवार को
टक्कर में कम से कम सात लोगों की
मौत हो गयी। पुलिस सूची ने यहाँ
बताया कि ऑटो रिक्षा पर सवार
लोग जा रहे थे तभी रफा लखन थप
पर ऑटो रिक्षा पटना से बढ़े के
निर्माण कार्य में लगी थीं। इससे
गयी। इस दुर्घटना में ऑटो रिक्षा पर
सवार चार लोगों की मौत पर ही थीत
हो गई जबकि तीन अन्य ने इलाज के
दौरान दम लें दिया। मृतकों में तीन
पुरुष तीन महिलाएं और एक लड़का
शामिल हैं। मृतकों की अद्विनीतीश्वर
नहीं की जा सकी है। इस बीच
मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दुर्घटना पर गहरा
दुख व्यक्त किया।

संसेक 456 अंक टूटकर

73 हजार के नीचे पिछली

नीचे दिल्ली। शेर बाजार में शुक्रवार से जारी बिकावाली मालवार को देखने को मिली। ईरान और इजरायल तानव से दुनियाभर के बाजारों में भय है, जिसमें भारतीय बाजार भी शामिल हैं। संसेक 456 अंक प्रियकर 72,943 के स्तर पर वहीं, ये 22,147 के स्तर पर बढ़ दुआ। संसेक के 30 शेषों में से 26 में गिरावट रही और सिर्फ़ 4 में जीती देखने को मिली। पार, थोकिंग और आईटी शियर्स में ज्यादा गिरावट है। संसेक 845 अंक की गिरावट के साथ 73,399 के स्तर पर बढ़ हुआ था। वहीं, निपाटी में भी 246 अंक की गिरावट रही थी, ये 22,272 के स्तर पर बढ़ हुआ था।

विज्ञापन केस : पतंजलि ने शीर्ष कार्ट में छिर मांगी माफी

नई दिल्ली। भ्रामक विज्ञापन केस में
मालवार को एक बार पिर सुप्रीम
कोर्ट में सुनाया दुई। रिटर्स अमा
कोहली और जरिटर्स अमानलुहार की
बैंच के सामने बाबा रामदेव व बालकुण्डा
तीसरी बाबा पेश हुए। बाबा रामदेव के
बालकुण्डल रुहानी ने कहा— हम
कोर्ट से एक बार पिर मांगी माफी है।
हमें पछाड़ा है। हम जनता के बीच
माफी मांगने को तैयार हैं। जरिटर्स
कोहली ने कहा— आपने योग के लिए
बहुत कुछ किया है। उसका समान है,
आप अपनी पद्धतियों के लिए दुर्दृश्य
(एलो) का गत बायों बायो रहे हैं।
रामदेव ने कहा— किसी को भी गलत
बताने का हमारा कोई ईरादा नहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार के गया में जीतनराम मांझी के पक्ष में की जनसभा

एजेंसी

पटना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने
मालवार को बिहार के गया में राजग
उपायमंत्री आवास पर दाखिल किया है,
उपराजनराम मांझी के पक्ष में
चुनावी जीतनराम भाजपा को संबोधित करते हुए
कहा कि जब भी भाजपा आपे बढ़ती
है, झूठ फैलाता जाता है कि संविधान
बदल देता। मोदी और भाजपा तो क्या,
स्वयं बाबा भीशमार अंबेडकर भी इस
संविधान के नींहों बदल सकते हैं।

हमारे लिए हमारा संविधान 2047

का सपना पूरा करने का संकल्प है। पूरी

दुनिया में इस वक्त अस्थिरता है, देश

को जरूरत है, इस वक्त मजबूत फैसले

लेने वाली सकार की। मोदी ने 19

अप्रैल को पूरी तकत से भाजपा नीति
गयग गठबंधन को विजयी बनाने के
लिए मतदान की अपील करते हुए राजद
पर जमकर प्रहर किया। प्रधानमंत्री ने
कहा कि लालटेंट वक्ते आपको
आधुनिक युग में नींहों जाने दें। इनका
राज होता तो आपके मोबाइल की बैटरी
है, झूठ फैलाता जाता है कि संविधान
बदल देता। मोदी और भाजपा तो क्या,
स्वयं बाबा भीशमार अंबेडकर भी इस
संविधान के लिए नायाचकन बदलिया करना
शुक्रवार से शुरू हो गया और मतदान

की बहुत कुछ किया है। उसका समान है,

आप अपनी पद्धतियों के लिए दुर्दृश्य
(एलो) का गत बायों बायो रहे हैं।
रामदेव ने कहा— किसी को भी गलत
बताने का हमारा कोई ईरादा नहीं है।

रामनवमी से पहले की तैयारियों को
सड़कों से लेकर अयोध्यावासियों के
मस्तक तक महसूस किया जा सकता
है। कभी महार्षि वाल्मीकी ने वर्णन
किया था कि अयोध्या वह स्थान था,
जहाँ के चौड़े मार्गों पर रोज जल
छिड़का जाता था। वहाँ पर पराकारं
लहराती थीं। वहीं, तुलसीदासजी ने

अयोध्या। इस बार 17 अप्रैल को
आ रही रामनवमी के लिए अयोध्या
सज्जनवर्ती कर पूरी तरह तैयार है। सुश्का
के पुखारी और अभृतपूर्व इंतजाम है।
जनवरी में हुए प्राण प्रतिष्ठा समाप्ति के
बाद पहला मोक्ष है, जब अयोध्या में
इन्हीं भी वह सुश्का देखी जा रही है।

रामनवमी से पहले की तैयारियों को
सड़कों से लेकर अयोध्यावासियों के
मस्तक तक महसूस किया जा सकता
है। कभी महार्षि वाल्मीकी ने वर्णन
किया था कि अयोध्या वह स्थान था,
जहाँ के चौड़े मार्गों पर रोज जल
छिड़का जाता था। वहाँ पर पराकारं
लहराती थीं। वहीं, तुलसीदासजी ने

अयोध्या। इस बार 17 अप्रैल को
आ रही रामनवमी के लिए अयोध्या
सज्जनवर्ती कर पूरी तरह तैयार है। सुश्का
के पुखारी और अभृतपूर्व इंतजाम है।
जनवरी में हुए प्राण प्रतिष्ठा समाप्ति के
बाद पहला मोक्ष है, जब अयोध्या में
इन्हीं भी वह सुश्का देखी जा रही है।

रामनवमी से पहले की तैयारियों को
सड़कों से लेकर अयोध्यावासियों के
मस्तक तक महसूस किया जा सकता
है। कभी महार्षि वाल्मीकी ने वर्णन
किया था कि अयोध्या वह स्थान था,
जहाँ के चौड़े मार्गों पर रोज जल
छिड़का जाता था। वहाँ पर पराकारं
लहराती थीं। वहीं, तुलसीदासजी ने

अयोध्या। इस बार 17 अप्रैल को
आ रही रामनवमी के लिए अयोध्या
सज्जनवर्ती कर पूरी तरह तैयार है। सुश्का
के पुखारी और अभृतपूर्व इंतजाम है।
जनवरी में हुए प्राण प्रतिष्ठा समाप्ति के
बाद पहला मोक्ष है, जब अयोध्या में
इन्हीं भी वह सुश्का देखी जा रही है।

रामनवमी से पहले की तैयारियों को
सड़कों से लेकर अयोध्यावासियों के
मस्तक तक महसूस किया जा सकता
है। कभी महार्षि वाल्मीकी ने वर्णन
किया था कि अयोध्या वह स्थान था,
जहाँ के चौड़े मार्गों पर रोज जल
छिड़का जाता था। वहाँ पर पराकारं
लहराती थीं। वहीं, तुलसीदासजी ने

अयोध्या। इस बार 17 अप्रैल को
आ रही रामनवमी के लिए अयोध्या
सज्जनवर्ती कर पूरी तरह तैयार है। सुश्का
के पुखारी और अभृतपूर्व इंतजाम है।
जनवरी में हुए प्राण प्रतिष्ठा समाप्ति के
बाद पहला मोक्ष है, जब अयोध्या में
इन्हीं भी वह सुश्का देखी जा रही है।

रामनवमी से पहले की तैयारियों को
सड़कों से लेकर अयोध्यावासियों के
मस्तक तक महसूस किया जा सकता
है। कभी महार्षि वाल्मीकी ने वर्णन
किया था कि अयोध्या वह स्थान था,
जहाँ के चौड़े मार्गों पर रोज जल
छिड़का जाता था। वहाँ पर पराकारं
लहराती थीं। वहीं, तुलसीदासजी ने

अयोध्या। इस बार 17 अप्रैल को
आ रही रामनवमी के लिए अयोध्या
सज्जनवर्ती कर पूरी तरह तैयार है। सुश्का
के पुखारी और अभृतपूर्व इंतजाम है।
जनवरी में हुए प्राण प्रतिष्ठा समाप्ति के
बाद पहला मोक्ष है, जब अयोध्या में
इन्हीं भी वह सुश्का देखी जा रही है।

रामनवमी से पहले की तैयारियों को
सड़कों से लेकर अयोध्यावासियों के
मस्तक तक महसूस किया जा सकता
है। कभी महार्षि वाल्मीकी ने वर्णन
किया था कि अयोध्या वह स्थान था,
जहाँ के चौड़े मार्गों पर रोज जल
छिड़का जाता था। वहाँ पर पराकारं
लहराती थीं। वहीं, तुलसीदासजी ने

अयोध्या। इस बार 17 अप्रैल को
आ रही रामनवमी के लिए अयोध्या
सज्जन

